

*heimkehren, wiederkehren* MBh. 3, 1712. 5, 7493. 7518. HARIV. 3958. R. 1, 66, 6. 3, 4, 36. 11, 17. त्वं न ज्ञीवन्प्रतियास्यसि 59, 10. 6, 12, 13. 7, 18, 13. RAGH. 5, 18. DAČAK. in BENF. Chr. 181, 17. अतिक्रमस्य गुरोः RAGH. 8, 90. पुरोमिमां MBh. 1, 6780. 5, 6081. 16, 171. R. 2, 52, 37 (51, 3 GORR.). 5, 53, 27. 73, 50. गृहान् MBh. 4, 1253. BHĀG. P. 10, 29, 27. स्वधाम 4, 8, 82. स्वमावासम् R. 3, 46, 19. उर्वीम् RAGH. 1, 75. स्वमनीकम् MBh. 9, 1241. पाण्डवान् 5, 643. कथं पुनर्नः प्रतियास्यते BHĀG. P. 10, 39, 24. *wieder von dannen gehen*: विमृश्य सलिलं मेघाः प्रतियाताः R. 4, 29, 9. प्राणिनं सर्वमापदः । स्पृशत्यनिलवह्नौके तपोने प्रतियाति (व्यपयाति ed. Bomb.) च ॥ 3, 71, 5. प्रतियातनिद्रं so v. a. *erwacht* BHĀG. P. 5, 1, 16. — 3) *Jmd* (acc.) *willfahren*: यावन्मीं प्रतियास्यति R. 2, 111, 14. मद्वचनमङ्गीकृत्य प्रतियास्यत्पयोद्याम् Comm. in der ed. Bomb., यावन्न प्रतियास्यति GORR. (2, 120, 14). — 4) *Jmd* (acc.) *gleichkommen*: गयं नृपः कः प्रतियाति कर्मभिः BHĀG. P. 5, 15, 7. — 5) *vergolten werden* BHĀG. P. 10, 32, 22. — Vgl. प्रतियान् fig. — caus. *heimkehren lassen nach* (acc.) BHĀG. P. 10, 73, 23.

— वि 1) *weggehen, sich abwenden*: यस्मिन्मनो दृगपि नो न वियाति लग्नम् BHĀG. P. 5, 2, 16. — 2) *durchfahren, mit dem Wagen —, mit den Rädern durchschneiden*: वि योद्यन् वृनिनः पृथिव्या व्याशा पर्वतानाम् RV. 1, 39, 3. वि योत् विश्वमत्रिणाम् 86, 10. विभिन्दुना रथेन वि पर्वतां अयातम् 116, 20. 117, 16. 3, 31, 9. डुचकुनाः 6, 12, 6. 62, 7. तमः 63, 2. वि वृत्रं पर्वशो ययुः 8, 7, 23. — 3) *durchlaufen, durchschneiden*: तुविश्रेभिः सत्भिर्वीति वि अयः RV. 1, 140, 9. वि रेदसी पृथ्या याति सार्धम् 6, 66, 7. 8, 62, 13. 9, 91, 3. रोचना 10, 32, 2. *zwischen durch gehen, — fahren* ÇAT. Br. 12, 4, 1, 2. 3. — 4) *vियात dreist, unverschämt* AK. 3, 1, 25. H. 432. HALĀ. 2, 216. विद्वयं यातं गमनं चेष्टनं यस्य स वियातो ऽविनीतः KALI. zu P. 7, 2, 19. urspr. wohl *aus der Art geschlagen*; vgl. वैयात्य. — AV. 3, 31, 5 scheint der Text entstellt zu sein.

— अभिधि *herbeifahren*: शतं रथेभिरुपा वि यात्यभि मानुषान् RV. 1, 48, 7.

— सम् 1) *zusammen gehen, — fahren, gehen, wandeln, fahren* TS. 5, 3, 10, 1. TBR. 2, 4, 2, 3. ÇAT. Br. 8, 3, 4, 7. 7, 1, 13. नाराजके जनपदे कृष्टैः परमवाशिभिः । नराः संयाति सक्तसा रथैश्च प्रतिमण्डितैः ॥ Spr. 4431. को ऽयं स्पन्दनाद्बुद्धः — निर्लज्ज इव संयाति R. 7, 23, 3, 5. BHĀG. 13, 8. *zusammenkommen, sich vereinigen*: यथा प्रयाति संयाति स्रोतोवेगेन वालुकाः Spr. 4787. BHĀG. P. 8, 3, 23. *mit Jmd* (acc.) *feindlich zusammenstossen, kämpfen* MBh. 6, 2143. *hingehen*: संयाति यतो वापो रथे स्थितः HARIV. 10783. अर्जुनं वीक्ष्य संयातं जयद्रथवधं प्रति MBh. 7, 6065. स्वपुरम् HARIV. 5636. अभयं पदं हरेः BHĀG. P. 5, 19, 23. *kommen* R. 6, 33, 34. पुनरपि वीरवरः संयातः VET. in LA. (III) 28, 15. विधूमामिह (so die ed. Bomb.) संपात्तीमुत्काम् MBh. 7, 8881. — 2) *in einen Zustand, eine Lage, ein Verhältniss treten, theilhaftig werden*: निर्वाणम् BHĀG. P. 11, 14, 46. एकताम् R. 4, 33, 26. पापान्संसारान् M. 12, 52. तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही BHĀG. 2, 22. प्रुभाँह्लोकान् MBh. 3, 6013. अयावत्तमृतम् BHĀG. P. 3, 9, 15. — 3) *sich richten nach* (acc.): गुरुमिव कृतमग्र्यं कर्म (acc.) संयाति दैवम् (nom.) MBh. 13, 341. — संययुः HARIV. 13892 fehlerhaft für खं ययुः, wie die neuere Ausg. liest. — Vgl. संयान्.

— अनुसम् *auf- und abgehen*: रत्तिपाशानुसंयात्तु पथि R. 2, 79, 13. *hingehen zu, nach, besuchen*: शक्रस्त्रिलोक्यमनुसंययौ MBh. 12, 8222. आदित्यमनुसंयातो R. 4, 58, 5. महेन्द्रस्य कुवेरस्य यमस्य वरुणस्य च । भवना-

न्यनुसंयामि MBh. 1, 3072. तीर्थान्यन्यान्यनुसंयाति 3, 10094. — Vgl. अनुसंयान्.

— अभिसम् *besuchen, kommen zu*: अतो विश्वा अभि सं याति संयतः RV. 9, 86, 15. नाविदकाडुकमभिसंयाति KĀTĪ. 22, 6. *losgehen auf Jmd* (acc.): मामेकमभिसंयातो MBh. 8, 1828.

— उपसम् *vereint kommen zu*: अय्य अग्र्यमुपसंयात् सर्वे RV. 6, 73, 1.

— प्रतिसम् *auf Jmd losgehen, Jmd angreifen*: सो ऽर्जुनं प्रतिसंयातः (प्रति könnte auch mit अर्जुनं verbunden werden) MBh. 6, 2697. सो ऽर्जुनप्रमुखे यात्तम् ed. Bomb.

2. या (= 1. या) am Ende eines comp. *gehend*; s. ऋणा०, एव०, तुर०, देव०.

3. या f. zu 1. य.

4. या f. zu 2. य; nachzuholen wäre die Bed. लक्ष्मी H. 226.

याकृत्क adj. von यकृत् P. 7, 3, 51, Sch.

याकृष्टोर्म adj. von यकृष्टोर्म गाणा पल्ल्यादि zu P. 4, 2, 110.

यात (von 1. यत्) adj. *den Jaksha eigen*: स्थानं GAUDAP. zu ŚĀMĀKĪ. 44.

याग (von 1. यज्ञ) m. *Opfer* AK. 2, 7, 4. 9. 13. 47. 3, 4, 9, 41. 6, 2, 11.

TRIK. 2, 7, 9. H. 820. HALĀ. 2, 259. ०स्य JĀGŪ. 3, 251. COLEBR. Misc. Ess.

I, 318. RAGH. 8, 30. यात्रायामादि नामानां प्रावर्तयत RĀGĀ-TAR. 1, 185. 334.

मत्स्यापूपयागविधायिन् 6, 11. 143. Verz. d. Oxf. H. 79, a, 24. BHĀSHĀP.

160. Schol. zu KĀTĪ. Ç. 230, 7. 254, 16. 271, 9. 562, 2. 5. ०संप्रदानं देवता

KĀC. zu P. 4, 2, 24. WEBER, ĠJOT. 111. ०काल 49. 53. 68. 72. fig. 75. 88.

109. gegenüber हेम Ind. St. 2, 96. — Vgl. गणा०, ग्रह०, ब्रह्म०, मातृ०,

सन्न०, सोम०.

यागकर्मन् (याग + क०) n. *Opferhandlung* MĀRK. P. 16, 71. WEBER, ĠJOT. 111.

यागमण्डप (याग + म०) *Opferhalle, Tempel* Verz. d. Oxf. H. 103, a, 20.

यागसंतान (याग + सं०) m. ein anderer Name Ġajanta's (Sohnes des Indra) H. ç. 33.

यागसूत्र (याग + सूत्र) n. *Opferschnur, neben यज्ञोपवीत* Ind. St. 2, 174. 178.

याच्, याँचति, ०ते DuĀTUP. 21, 3. ययाचे; अयाचिषम्, याचिषत्, अयाचिष्ट;

याचिष्यामि, याचिष्ये; याचिता; याचितुम्; partic. praet. pass. याचित. 1)

*stehen, heischen, betteln, bittend angehen* (mit dopp. acc.; vgl. P. 1, 4, 51,

Sch. VOP. 5, 6), *anfehen*: सदा याचन्नृकं गिरा RV. 8, 1, 20. श्रुक्रा अशिर्

याचते 2, 10. अर्च आदित्यान्याँचियामहे (daneben auch यियाचियामहे nach

P. 6, 1, 8, VĀRIT. 3, Sch.) 56, 1. याचते सुम् पर्वमानमुक्षितम् 9, 78, 3. पीत

इन्द्रविन्द्रमस्मभ्यं याचतात् 86, 41. 10, 9, 5. 22, 7. 48, 5. AV. 5, 7, 5. 12, 4,

1. fgg. ÇAT. Br. 2, 3, 4, 3. fgg. 3, 9, 2, 24. fig. 9, 4, 2, 17. 13, 8, 1, 12. TS. 1,

5, 9, 6. दीतिष्यमाणः तत्रियं देवजनं याचति AIR. Br. 7, 20. KĀTĪ. Ç. 10,

2, 35. 22, 1, 31. ĀC. Ç. 2, 10, 6. तं देवाः पुनर्याचत *zurückfordern, wie-*

*derhaben wollen* TBR. 1, 3, 10, 1. TS. 2, 1, 2, 1. 3, 5, 1. ÇAT. Br. 11, 4, 3, 4.

न याचेत् KAUSH. Up. 2, 1. MBh. 3, 2924. ये द्युर्न च याचेयुः 4, 474. 5, 7120.

7, 2104. 13, 3047. Spr. 4350. R. 1, 10, 24. 5, 91, 8. BHĀG. P. 3, 1, 8. अया-

चमान KAUSH. Up. 2, 1. याचते M. 8, 191. याचमान Spr. 4348. MBh. 3, 15761.

R. 2, 31, 9. 43, 29. 52, 45. 54. शिरसा याचे 62, 12. 3, 53, 11. Spr. 2439.

अयाचत दिनं देवा भवत्विति यथा पुरा MĀRK. P. 16, 50. DAČAK. in BENF.

Chr. 195, 1. कस्मैचियाचते (dat. partic.) धनम् M. 8, 212. MBh. 13, 2435.

BHĀG. P. 6, 9, 50. MĀRK. P. 29, 35. BHĀT. 14, 105. अयाचत वरम् MBh.